आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :470 पृष्ठ –4 दिनांक 05 मई 2025 दिन शनिवार

पद्मश्री बाबा शिवानंद महाराज का निधन, 129 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस, सीएम ने जताया शोक

3 मई, शनिवार को वाराणसी के सर सुंदर लाल अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हुआ

पद्मश्री के समय PM ने भी झुककर प्रणाम किया

उत्तर प्रदेश स्थित वाराणसी निवासी पद्मश्री बाबा शिवानंद महाराज का निधन हो गया. 3 मई, शनिवार को वाराणसी के सर सुंदर लाल अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हुआ. बाबा शिवानंद की उम्र 129 वर्ष बताई जा रही हैं, वह वाराणसी के कबीर नगर के रहने वाले थे. अपने योग और दैनिक दिनचर्या के साथ लंबी आयु के लिए पूरे देश में जाने जाते थे. बाबा शिवानंद महाराज को वर्ष 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पद्मश्री से सम्मानिता किया था. पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त करने के दौरान पीएम को झुक कर प्रणाम करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था.उनके निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताया. सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने लिखा– योगश के क्षेत्र में अप्रतिम योगदान देने वाले काशी के प्रख्यात योग गुरु श्पद्म श्रीश स्वामी शिवानंद जी का निधन अत्यंत दुःखद है. उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!उन्होंने लिखा कि आपकी साधना एवं योगमय जीवन संपूर्ण समाज के लिए महान प्रेरणा है. आपने अपना पूरा जीवन योग के विस्तार में समर्पित कर दिया. बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं उनके शोकाकुल अनुयायियों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें. ॐ शांति!उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी बाबा के निधन पर शोक जताया. उन्होंने लिखा– काशी के प्रख्यात योग गुरु, 'पद्मश्री' स्वामी शिवानंद जी के निधन का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ. योग को समर्पित उनका तपस्वी जीवन और साधना, समस्त समाज के लिए एक उज्ज्वल प्रकाशपुंज रहा है. उन्होंने योग के प्रचार–प्रसार को ही अपना जीवन–ध्येय बना लिया था, और उसी में स्वयं को पूर्णतः समर्पित कर दिया. बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना है कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा उनके असंख्य अनुयायियों को इस गहन शोक को सहन करने की शक्ति प्रदान करें. ॐ प्रकार की शांतिरूदीर्घायु जीवन के साथ–साथ योग पद्धति के लिए खासतौर पर पहचानें जाने **वाले बाबा शिवानंद के परिजनों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार – 3 मई को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सरसुंदर दास अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया. वह बीते दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे. बंगाल के रहने वाले बाबा शिवानंद का जन्म 1896 में हुआ था. वह बहुत कम उम्र बाल्यकाल से ही योग करते थे.कहा जाता है की संतुलित भोजन और संयमित दिनचर्या की वजह से उन्होंने दीर्घायु जीवन प्राप्त की और इतना ही नहीं सवा सौ साल से अधिक आयु होने के बा. वजूद ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नियमित योग करते थे. साल 2022 में उन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया था. राष्ट्रपति भवन में योग को प्रदर्शित करते और प्रधानमंत्री** सहित सभागार में उपस्थित गणमान्य लोगों को अभिवादन करने का उनका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था. उम्र के इस पड़ाव पर उनकी इस स्फूर्ति और स्वास्थ्य देख कर वहां मौजूद सारे लोग दंग रह गए थे. देर रात जैसे ही बाबा शिवानंद के निधन की जानकारी हुई न सिर्फ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बल्कि काशी की आम जनमानस में भी शोक की लहर दौड़ पड़ी. सोशल मीडिया के माध्यम से और उनके दुर्गाकुंड कबीर नगर स्थित आवास पर पहुंचकर शोक संवे. दना प्रकट करने वाले लोगों का पहुंचना शुरू हो गया. काशी में ही उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा.

वाराणसी में गंगा नदी में सफाई के बाद एक और बड़ी समस्या, वैज्ञानिक भी जता चुके हैं चिंता

देशभर में गंगा सप्तमी का पर्व मनाया गया. मान्यता है कि इस दिन भागीरथ की कठिन तपस्या के बाद मां गंगा का अवतरण पृथ्वी पर हुआ था. वहीं काशी की बात कर ली जाए तो प्राचीन सनातन पर्व – परंपरा के अलावा इस शहर की पहचान गंगा नदी से भी है. गंगा नदी वाराणसी शहर से होकर गुजरती है लेकिन वर्तमान समय में गंगा की स्वच्छता के साथ–साथ घटता जलस्तर भी एक बड़े संकट की ओर इशारा कर रहा है.दुनिया के सबसे प्राचीन शहर काशी की पहचान गंगा नदी से है. यहां अनेक ऐसे पर्व मनाए जाते हैं जो सीधे मां गंगा के स्नान ध्यान से जुड़े हुए हैं. वैसे हर बार गर्मी के सीजन में वाराणसी के गंगा नदी के जलस्तर में कमी के साथ–साथ धारा में रेत के टीले दिखाई देते हैं. लेकिन इस बार तो यह स्थिति मार्च महीने में ही देखी गई जिसने लोगों को हैरान कर दिया. गंगा सप्तमी के दिन जब लोग आस्था की डुबकी लगाने मां गंगा के तट पर पहुंचे तो साफ तौर पर इस नदी की स्वच्छता और घटता जलस्तर लोगों को अपने परंपरा के साथ–साथ भविष्य की अनेक परेशानियों को लेकर चिंता में डालने वाला रहा. गंगा नदी पर लंबे समय से शोध कर रहे प्रो. बी. डी. त्रिपाठी का स्पष्ट कहना है की गंगा पर न सिर्फ गंभीरता से चिंतन करने की आवश्यकता है बल्कि तत्काल इस पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने चाहिए. इस नदी से केवल हमारे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक परंपरा ही नहीं जुड़े बल्कि हमारा सामा. जिक और भविष्य इस पर बहुत हद तक निर्भर है. गंगा के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा उत्पन्न करना, बांध से सही समय पर पानी छोड़ने, स्वच्छता अभियान का सही मैनेज मेंट, सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सही रूप देना गंगा को संरक्षित करने में मददगार हो सकता है.

विश्वप्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट खुले, CMधामी समेत हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वप्रसिद्ध बदरीनाथ मंदिर के कपाट छह माह बंद रहने के बाद रविवार सुबह फिर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए. पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सुबह छह बजे चमोली जिले में स्थित मंदिर के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा–अर्चना के साथ देश–विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में खोल दिए गए.इस मौके पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट तथा टिहरी के विधायक किशोर उपाध्याय भी मौजूद थे. कपाट खुलने के दौरान पूरा वातावरण ढोल–नगाड़ों व सेना के बैंड की मधुर धुन और हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं के 'जय बदरी विशाल' के जयकारों से भक्तिरस से सराबोर हो उठा. बदरीनाथ मंदिर को 15 टन सुगंधित फूलों से सजाया गया इस अवसर पर मंदिर को लगभग 15 टन रंग–बिरंगे और सुगंधित फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था, जिसने मंदिर की सुंदरता में चार चांद लगा दिए. इससे पहले, परंपरानुसार सुबह बद. रीनाथ धाम के मुख्य पुजारी रावल, धर्माधिकारी व वेदपाठियों द्वारा मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना की गई और फिर विधि विधान से माता लक्ष्मी को गर्भ गृह से निक. ालकर मंदिर की परिक्रमा करा लक्ष्मी मंदिर में विराजमान किया गया. इसके बाद भग. वान कुबेर जी व उद्धव जी को बदरी विशाल मंदिर के गर्भगृह में विराजित किया गया.तत्पश्चात् भगवान बदरी विशाल की चतुर्भुज मूर्ति से घृत कंबल को अलग कर उनका विधिवत अभिषेक (स्नान) करवाया गया और आकर्षक श्रृंगार किया गया. मुख्य मंदिर के साथ ही बदरीनाथ धाम मंदिर परिक्रमा स्थित गणेश, घंटाकर्ण, आदि केदारेश्वर, आदि गुरु शंकराचार्य मंदिर व माता मूर्ति मंदिर के कपाट भी इस यात्रा हेतु श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं.कतारबद्ध होकर श्रद्धालुओं ने किए बाबा बदरीनाथ के दर्शन मान्यताओं के अनुसार, वर्ष में छह माह (ग्रीष्मकालीन) मनुष्य भग. वान विष्णु की पूजा करते हैं, जबकि बाकी के छह माह (शीतकालीन) यहां देवता स्वयं भगवान विष्णु की आराधना करते हैं, जिसमें मुख्य पुजारी देवर्षि नारद होते हैं. अधिकारियों ने यहां बताया कि स्थानीय प्रशासन ने धाम की यात्रा को सुरक्षित एवं निर्बाध बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली हैं. प्रशासन ने दर्शन के लिए पहुंचे सभी श्रद्धालुओं से व्यवस्थित रूप से कतारबद्ध रहकर शांतिपूर्ण ढंग से श्रीहरि के दर्शन करने की अपील की है. बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही इस साल की चारधाम यात्रा पूर्ण रूप से शुरू हो गयी है. उत्तराखंड के चार धामों में शामिल तीन अन्य धाम–गंगोत्री, यमुनोत्री तथा केदारनाथ पहले ही खुल चुके हैं.

सीएम योगी ने मुख्यमंत्री सुपोषण योजना शुरू करने के दिए निर्देश

उत्तर प्रदेश में कुपोषण की समस्या से निपटने और बच्चों के बेहतर पोषण के लिए राज्य सरकार ने एक नई पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री सुपोषण योजना शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में टेक होम राशन की इकाइयों की स्थापना के आदेश भी दिए गए हैं।बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की एक उच्. चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि गंभीर तीव्र कुपोषण (सैम) की समस्या को लेकर संभव अभियान के तहत अब तक किए गए प्रयासों से सुधार हुआ है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए सतत पोषण सहायता आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री सुपोषण योजना के अंतर्गत 3 से 6 वर्ष तक के पंजीकृत बच्चों को आंग. नबाड़ी केंद्रों पर प्रातःकालीन पौष्टिक नाश्ता उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है।यह योजना राज्य सरकार के डॉ. भीमराव आंबेडकर जीरो पॉवर्टी मिशन के अंतर्गत चिन्हित गरीब परिवारों के लिए शुरू की जाएगी। इसके अलावा आकांक्षात्मक जनपदों और विकासखंडों को भी योजना से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने योजना की विस्तृत कार्ययोजना शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों में स्टंटिंग, वास्टिंग और कम वजन जैसी पोषण संबंधी चुनौतियों की सतत निगरानी की जाए और इसके लिए स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों पर दूध, फल और पोषाहार की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया।बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिन लाभार्थी परिवारों के पास पशुधन नहीं है, रेसिपी आधारित टेक होम राशन की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विशिष्ट फसलों जैसे प्रतापगढ़ का आंवला, श्रीअन्न और गुड़ आदि को शामिल किया जाना चाहिए। और इसमें पारदर्शिता, गुणवत्ता और सहभागिता को प्राथमिकता दी जा रही है।

प्रतापगढ़ के कुंडा लखनऊ पहुंचीं महिलाओं ने की शिकायत, सीएम योगी बोले– इनको बख्शेंगे नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजधानी लखनऊ में अपने आवास पर 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए दर्जनों लोगों की समस्याएं सुनीं. इस दौरान मुख्यमंत्री ने 60 से अधिक फरियादियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं का न सिर्फ ध्यानपूर्वक संज्ञान लिया, बल्कि संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर नागरिक के चेहरे पर मुस्कान लाना है. इसके लिए सरकार पहले दिन से पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि सुरक्षा, सम्मान और आत्म. निर्भरता ही हमारी शासन व्यवस्था की रीढ़ है.जनता दर्शन में मुख्यमंत्री एक–एक फरियादी तक खुद पहुंचे, उनका हाल–चाल पूछा और फिर हर मामले की बारीकी से जानकारी ली. फरियादियों में वृद्धावस्था पेंशन, जमीन विवाद, आवास, बिजली कनेक्शन, चिकित्सा सहायता और पुलिस से संबंधित समस्याएं लेकर आए लोग शामिल थे. मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं के लिए संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपा और समयबद्ध निस्. तारण के निर्देश दिए.प्रतापगढ़ के कुंडा से आई महिलाओं ने पुलिस से संबंधित अपनी शिकायत रखी, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया और कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा. इसी तरह मड़ियाव थाना क्षेत्र के एक बुजुर्ग राजमिस्त्री वृद्धावस्था पेंशन की मांग लेकर पहुंचे, जिस पर मुख्यमंत्री ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया. जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने न सिर्फ समस्याएं सुनीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी प्रमुखता दी. परिवार के साथ आए छोटे बच्चों को उन्होंने दुलारा, उनसे पढ़ाई के बारे में पूछा और उन्हें चॉकलेट दी. मुख्यमंत्री ने बच्चों को खूब पढ़ने और बड़ा बनने का आशीर्वाद भी दिया.मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर सप्ताह जनता दर्शन के जरिए आम लोगों से सीधे संवाद करते हैं. यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री की कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है, जिसमें वे सीधे तौर पर जनता की समस्याएं सुनते हैं और अधिकारियों को कड़ी निगरानी में समाधान के निर्देश देते हैं.

22 पाकिस्तानियों ने की शादी, इनके 95 बच्चे, इनमें से कई शादीशुदा

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में लॉन्ग टर्म वीजा पर रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. पुलिस के मुताबिक अभी तक ऐसी 22 पाकिस्तानी महिलाएं मुरादाबाद में मिली हैं जो लॉन्ग टर्म वीजा पर यहां रह रही हैं. सभी पाकिस्. तानी महिलाओं ने यहां आकर शादी की है. उनके बच्चों के भी बच्चे हैं.सभी 22 मि. हलाओं के 95 बच्चे हैं. इन बच्चों में भी कई की शादी हो चुकी है. उनके भी बच्चे हैं. कई की पाकिस्तान में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से बात होती रही है. पुलिस इनके बारे में जानकारी जुटा रही है. पहलगाम में हुए बड़े आतंकी हमले के बाद इंटेलिजेंस और पुलिस बाहर से रहने आए व्यक्तियों पर निगरानी रख रही है ऐसे में पाकिस्तान की 22 महिलाएं और दो पुरुष कई दशक से रह रहे हैं,पुलिस की जांच के अनुसार सभी पाकिस्तानी महिलाओं ने यहां आकर शादी की है.22 पाकिस्तानी मि. हलाओं के अलावा 2 रेफर्ड केस भी हैं कुल 24 लोगों पर पुलिस की निगाह बनी हुई है. पाकिस्तान से मुरादाबाद आकर शादी करने वाली सभी 22 महिलाओं के आधार कार्ड बन गए हैं. यह सरकार से मिलने वाला राशन भी ले रही हैं. हालांकि अब तक भी यह दीर्घकालिक वीजा पर हैं और अभी तक इन्हें भारत देश की नागरिकता नहीं मिली है.पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कोई ऐसा व्यक्ति मुरादाबाद में नहीं रह रहा जिनका लॉन्ग टर्म वीजा एक्सपायर हो गया हो,लेकिन अभी तक ऐसा कोई व्यक्ति सामने नहीं आया है. मुरादाबाद के एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि हमारे यहां 22 लोग हैं लॉन्ग टर्म विजा पर और 2 रेफर्ड केसेज हैं , कुल 24 लोग हैं जो भी हमारे रूल्स हैं इसमें हम कार्रवाई कर रहे हैं सभी पर नजर बनाए हुए हैं, पाकिस्तान से लिंग के बारे में कोई जानकारी नहीं है, इंटेलिजेंस की टीम बाहर से आकर रह रहे लोग को छानबीन जरूर कर रहे हैं .

उत्तर प्रदेश आउटसोर्सिंग सेवा निगम बनने के बाद उससे होने वाली भर्तियों में आधी आबादी को वरीयता दी जाएगी. पारदर्शी प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए भर्तियां होंगी. इन भर्तियों में विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी. इसके साथ जिन लोगों की आय निम्न, उम्र अधिक और ग्रामीण क्षेत्र के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी. निगम बनाने के लिए तैयार ड्राफ्ट में सभी महिला कर्मचारियों को वेतन के साथ 180 दिनों का मातृत्व अवकाश भी मिलेगा. लेकिन ये सुविधा दो बच्चे तक ही रहेगी. वहीं विधवा कार्मिक को 1000 से 2900 रुपये तक की आजीवन पेंशन दी जाएगी. फोर्थ ग्रेड की कार्मिकों की ऐसी बालिकाएं जो मेडिकल, एमटेक, आईआईटी, आईआईएम, पीएचडी के साथ यूपीएससी की परीक्षा में चयनित होंगी, उन्हें निगम के वेलफेयर फंड से एक लाख रुपये मिलेंगे. ये धनराशि छात्रों को एक बार ही मिलेगी. सीएम योगी के निर्देश पर भर्तियों की जो रूपरेखा तैयार की गई है, वह आउटसोर्सिंग की भर्तियों में मनमानी पर रोक लगाएगी. कार्मिकों का चयन मेरिट के आधार पर होगा. इसके लिए स्टैंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर और आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल किया जाएगा. इस प्रक्रिया से संस्थाओं को आउटसोर्सिंग पर कार्मिक आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे. इसका सबसे बड़ा लाभ विधवा और तलाकशुदा महिला को मिलने वाला है. इसके साथ ही निगम वन स्टॉप शॉप होगा जो समस्त विभागों, संस्थाओं, राज्य सरकार से अनुदान पाने वाली सभी संस्थाओं को आउटसोर्सिंग पर कार्मिक उपलब्ध कराएगा. सरकार की इस पहल से मनमानी तरीके से होने वाली भर्तियों पर रोक लगेगी. इसके साथ भर्तियों प्रक्रिया में पारदर्शी भी आएगी. ऐसें में इस मामले में किसी भी तरह की गड़बड़ी पाई जाएगी तो संबंधित अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

हाथरस में विवाहिता की संदिग्ध मौत ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला उम्मेद में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान 25 वर्षीय प्रियंका के रूप में हुई है। उसका मायका हाथरस जंक्शन कोतवाली क्षेत्र के गांव पुरा में है।प्रियंका की शादी करीब 5 साल पहले सौरभ के साथ हुई थी। वह दो बच्चों की मां थी। मायके पक्ष का आरोप है कि ससुराल वाले दहेज की मांग करते थे और प्रियंका का उत्पीड़न करते थे। प्रियंका की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई।घटना के बाद कुछ लोग प्रियंका को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग अस्पताल पहुंचे।उन्होंने प्रियंका की

हत्या की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

गंगा सप्तमी सासनी में निकली शोभायात्रा, हवन–पूजन और भंडारे का आयोजन

सासनी में गंगा सप्तमी के अवसर पर हरि भजन संकीर्तन मंडल ने मां गंगा की शोभायात्रा निकाली। मोहल्ला विष्णुपुरी स्थित गंगा मंदिर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। मंदिर में पूजा–अर्चना के साथ मां गंगा की आरती की गई। पंडित हिमांशु शर्मा ने हवन यज्ञ का आयोजन किया और प्रसाद का वितरण किया गया।श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया कार्यक्रम में भंडारे का भी आयोजन हुआ। महिला हरि संकीर्तन मंडल के सदस्यों ने बैंड–बाजे के साथ प्रभात फेरी निकाली। इसमें आंसू शर्मा, अंकुर वर्मा, अभिषेक उपाध्याय, ललित शर्मा, तुषार पांडे, नरेंद्र जायसवाल और प्रतीक जैन शामिल रहे। कार्यक्रम में पंडित दीपू शर्मा, पंडित प्रकाश चंद शर्मा, डॉक्टर लोकेश और कुलदीप गुप्ता सहित हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

कानपुर के एक युवक के साथ हाथरस के सादाबाद में दर्दनाक घटना सामने आई

कानपुर के एक युवक के साथ हाथरस के सादाबाद में दर्दनाक घटना सामने आई है। पोल्ट्री फार्म में अकाउंटेंट की नौकरी का झांसा देकर बुलाए गए युवक के साथ चार लोगों ने मारपीट की।पीड़ित युवक ने बताया कि सादाबाद के एक युवक से उसकी मोबाइल पर दोस्ती हुई थी। आरोपी ने अच्छी सैलरी का लालच देकर उसे पोल्ट्री फार्म में अकाउंटेंट की नौकरी के लिए बुलाया। जब वह सादाबाद पहुंचा, तो आरोपी ने तीन और युवकों को बुला लिया।चारों आरोपी उसे मुरसान रोड ले गए। वहां उन्होंने अश्लील वीडियो दिखाकर वैसा ही करने की मांग की। मना करने पर आरोपियों ने उसके कपड़े उतार दिए और मारपीट की। पीड़ित किसी तरह सादाबाद कोतवाली पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित युवक का कहना है कि उसके साथ उन लड़कों न अश्लील हरकतें भी कीं।सीओ सादाबाद हिमांशु मा. थुर ने बताया कि पीड़ित की तहरीर मिल गई है। युवक को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाथरस के जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में निस्वार्थ सेवा संस्थान ने एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया

हाथरस के जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में निस्वार्थ सेवा संस्थान ने एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह शिविर कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए लगाया गया।शिविर की शुरुआत में सभी शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। निस्वार्थ सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि इस शिविर के माध्यम से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग भी की।यह रहे मुख्य रूप से मौजूदकार्यक्रम में संस्थान के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। अन्य काफी समाजसेवी भी वहां मौजूद थे।

इनमें सचिव नीरज गोयल, प्रवक्ता हिमांशु गौड़, कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रकाश अग्रवाल और सोशल मीडिया प्रभारी सारांश टालीवाल शामिल थे।साथ ही सह सचिव तरुण राघव, निष्कर्ष गर्ग, ध्रुव कोठीवाल, आशीष अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अमित गुलाटी, दीपांशु वार्ष्णेय, अंकित, मयंक ठाकुर भी उपस्थित रहे।

हाथरस में आज नीट यूजी 2025 की परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से शुरू हुई

हाथरस में आज नीट यूजी 2025 की परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से शुरू हुई। जिले में बागला डिग्री कॉलेज, अक्रूर इंटर कॉलेज और सरस्वती इंटर कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इन तीनों केंद्रों पर कुल 1265 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।सुबह से ही परीक्षार्थियों की भीड़ परीक्षा केंद्रों के बाहर एकत्रित हो गई। परीक्षा को लेकर लिए व्यापक इंतजाम किए गए। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र के बाहर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।परीक्षाि. र्थियों को केंद्र में प्रवेश से पहले कई स्तरों की जांच से गुजरना पड़ा। इसमें बॉयोमेट्रिक, फेस रिकग्निशन और पहचान पत्र की जांच शामिल है। परीक्षार्थियों को

इलेक्ट्रॉनिक सामान ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। जूते तक उतरवा कर परीक्षाि. र्थियों की चेकिंग की गई।अधिकारियों ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षणअधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का लगातार निरीक्षण किया। पुलिस ने परीक्षा केंद्रों के बाहर अनावश्यक रूप से खड़े लोगों को हटाया। परीक्षा की व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए केंद्रों के बाहर आवश्यक घोषणाएं भी की गईं।

जिला न्यायाधीश का विदाई समारोह जिला बार एसोसिएशन ने विदाई समारोह में जनपद न्यायाधीश को किया सम्मानित

हाथरस में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने बार हॉल में जनपद न्यायाधीश सतेंद्र कुमार का विदाई समारोह आयोजित किया। जनपद न्यायाधीश सतेंद्र कुमार का बहराइच में इसी पद पर स्थानांतरण हुआ है।जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बीरेंद्र सिंह, महासचिव मनीष कौशल, उपाध्यक्ष योगेश कुमार रावत समेत अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट किया और फूलों का हार पहनाया। इस अवसर पर सहसचिव संदीप चौधरी, राजू वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष यतेंद्रपाल सिंह बघेल और अंकेक्षक ललित उपमन्यु भी मौजूद रहे।जिला न्यायाधीश सतेंद्र कुमार ने इस क्षण को अपने जीवन का सुखद और अविस्मरणीय पल बताया। उन्होंने बार एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों और

अधिवक्ताओं का आभार जताया। साथ ही बार और बेंच के बीच मधुर संबंधों को आगे भी जारी रखने का संदेश दिया।जिला न्यायाधीश का किया अभिवादन.अधिवक्ता तरुण शर्मा, गोविंद उपाध्याय, रामसेवक उपाध्याय और रवि रंजन वशिष्ठ ने भी बुके देकर न्यायाधीश का अभिवादन किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अलीगढ़ एयरपोर्ट में रविवार दोपहर पायलट ट्रेनिंग के दौरान एक प्लेन क्रैश हो गया

अलीगढ़ एयरपोर्ट में रविवार दोपहर पायलट ट्रेनिंग के दौरान एक प्लेन क्रैश हो गया। प्लेन के अंदर सिर्फ ट्रेनी पायलट प्रणव जैन मौजूद था, जो प्लेन उड़ा रहा था। जब प्लेन क्रैश की सूचना अधिकारियों को मिली, तो अफरा–तफरी मच गई। मामला धनीपुर हवाई पट्टी का है।प्लेन आ. समान में उड़ने के बाद लैंडिंग कर रहा था। तभी एयरपोर्ट की बाउंड्रीवाल से टकरा गया। इस हादसे में प्लेन के परखच्चे उड़ गए।ट्रेनिंग कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पायलट को प्लेन से बाहर निकाला। पायलट को किसी तरह की चोट नहीं आई है। वह पूरी तरह से सुरक्षित है। वहीं, प्लेन क्रैश की जानकारी मिलने पर प्रशासन भी एक्टिव हो गया और इस दुर्घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

होटल धीरज पैलेस में मायरा इवेंट्स ने किया आयोजन

अलीगढ़। स्टेज पर स्टंट हो या कैटवॉक, मिमिक्री हो या डांस स्थानीय होटल धीरज पैलेस के सिटी क्लब में आयोजित बिगेस्ट डमॉडलिंग ऑडीशन में२५५ प्रतिभागियों ने अपना हुनर दिखाते हुए जमकर धमाल मचाया। मौका था मायरा इवेंट्स इंडिया प्रा.लि. द्वारा आयोजित यूपी केसबसे बड़े मॉडल ब्रांड कोलैब फैस्टीवल ऑडीशन का. ।होटल धीरज पैलेस के सिटी क्लब में आयोजित इस मॉडलिंग ऑडीशन में प्रतिभागियों के द्वारा आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शित की गई कला की जजों ने भी खूब सराहना की। मायरा इवेंट्स के एमडी और इस शानदार आयोजन के आयोजक प्रशांत झा ने बताया कि यूपी के विभिन्न जनपदों में आयोजित ऑडीशनों के उपरांत आगरा में २५ मई को टेलेंट, फैशन और ग्लैमर के इस संगम का ग्रैंड फिनाले होने जा रहा है। जिसमें कई सेलेब्रिटीज के अलावा मुख्य आकर्षण एक्ट्रेस और सोशल आईकॉन डॉ. यामिनी मल्होत्रा होंगी। आगरा से आए एमडी प्रशांत झा ने कार्यक्रम की सफलता पर जहां खुशी व्यक्त की, वहीं अलीगढ़ के युवाओं के उत्साह को प्रेणादायक बताया। वहीं, फिल्म निर्माता पंकज धीरज नेअलीगढ़ में इस प्रकार के आयोजनों को सांस्कृतिक उत्साहबर्धन का एक क्रम बताया।अलीगढ़ में आयोजित ग्रैंड ऑडीशन के निर्णायक मंडल में संदीप जी और संगीता शर्मा रहे। जिन्होंने प्रतिभागियों की प्रतिभा की कड़ी स्क्रीनिंग की। साथ ही कुछ खामियों पर उन्हें सुधार के संकेत भी दिए। कैट वॉक के लिए बने मंच पर युवक व युवतियों की प्रतिभा देखने लायक थी।

श्री गंगा सेवा समिति द्वारा गंगा सप्तमी का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया

अलीगढ़।श्री गंगा सेवा समिति द्वारा गंगा सप्तमी का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया जबकि इस अवसर पर आई.टी.आई रोड चामुंडा मंदिर पर संतोष कुमारी और राम प्रकाश सूर्यवंशी द्वारा मां गंगा के कलश का पूजन किया गया और इसके बाद गुरु जी रास बिहारी दास द्वारा पूजा अर्चना करके कलश यात्रा निकाली गई।इधर इसके उपरांत दो बस और चार पहिया वाहनों को ठाकुर श्योराज सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष,वीरेंद्र शर्मा राष्ट्रीय कार्यवाह अध्यक्ष द्वारा गंगा तट की ओर रवाना किया गया। आपको बता दें कि ये यात्रा नरौरा पहुँची जहाँ गंगा तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया और हवन किया गया। यहां पर भी संतो को भोजन प्रसादी कराई गई और भंडारा कराया गया और सायं काल में गंगा जी की महाआरती की गई।इस कार्यक्रम में महापौर प्रशांत सिंघल,ठा.श्योराज सिंह,किरण झा,राम कुमार शर्मा ,नीलेश उपाध्याय,विष्णु कुमार बंटी,आभा वार्ष्णेय,ओ.पी.लाला,डॉ.मुकेश शर्मा,अंशुल शर्मा,दिनेश शास्त्री,दिनेश जादौन,बी.डी.चौहान,ज्ञानेंद्र चौहान,शुभम कुमार,चरण सिंह,प्रवीण,राजकुमार,सोहन देव,रमेश चंद्र,अरुण कुमार और कमल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नौतपा का रहस्य क्या है? नौतपा ना तपे तो क्या होगा?

9 दिनों में धरती अच्छी तरह न तपे तो क्या होगा

भीषण गर्मी के 9 दिन धरती अच्छी तपती है, इन्हें नौतपा कहा जाता है. मई के तीसरे हफ्ते से जून के पहले हफ्ते तक करीब 15 दिन देश में भयानक हीटवेव चलती है. कई जगहों पर तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तक पहुंच जाता है. नौतपा भारतीय ज्योतिष के हिसाब से जरूरी समय होता है. क्या हो अगर नौतपा में धरती अच्छी तरह न तपे तो ? आइए जानते हैं इसका जवाब. –नौतपा 2025 कब से कब तक ?इस साल नौतपा 25 मई से 3 जून 2025 तक रहेगा. सूर्य 25 मई को सुबह 03 बजकर 27 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे 8 जून 2025 तक इसी नक्षत्र में रहेंगे.9 दिन क्यों पड़ती है भीषण गर्मी ?ज्योतिष शास्त्र की मानें तो मई के तीसरे सप्ताह और जून के पहले सप्ताह में सूर्य अपने तीखे तेवर दिखाता है. कारण है, ज्येष्ठ मास में सूर्य 15 दिनों के लिए रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं. ज्येष्ठ मास (जेठ माह) के पहले नौ दिनों के दौरान ऐसी स्थिति आती है, जिसके कारण सूर्य और पृथ्वी सबसे नजदीक होते हैं और सूर्य की किरणें पृथ्वी के कई हिस्से पर सीधे पड़ती हैं. इसके धरती अग्नि की तरह तपती है और भीषण गर्मी का वातावरण रहता है. इस दौरान लू भी चलती है.नौतपा न तपे तो क्या होगा ? नौतपा का ये समय केवल गर्मी ही नहीं बल्कि मौसम की आगे की दिशा का संकेत भी देता है. वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो नौ दिनों में सूरज जितना प्रचंड होगा और लू चलेगी, बारिश उतनी ज्यादा अच्छी होगी. अगर ऐसा न हो तो किसानों के सूखे खेतों को पानी नहीं मिलेगा. भीषण गर्मी के कारण जहरीले जीव–जंतु और फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीट पतंगे खत्म नहीं होंगे. टिड्डियों के अंडे नष्ट नहीं होंगे, बुखार लाने वाले जीवाणु नहीं मरेंगे. सांप–बिच्छू नियंत्रण से बाहर हो जाएंगे. लू नहीं चलने के कारण आंधियां फसलों को चौपट कर सकती है. यही वजह है कि नौतपा में भीषण गर्मी पड़ना अच्छा माना जाता है.नौतपा पर गर्मी पड़ना क्यों जरुरी है ?प्रकृति के संतुलन के लिए ये 9 दिन बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं. किसानों को नौतपा का खास इंतजार रहता है क्योंकि इसका सीधा और सकारात्मक असर खेती पर होता है.खेतीबाड़ी के लिहाज से गर्मी के ये 9 दिन बेहद खास होते हैं. किसान ऐसा मानते आए हैं कि इन दिनों में जितनी ज्यादा गर्मी पड़ेगी, बारिश उतनी जमकर होगी.

हैरान कर देगा मोहिनी एकादशी का सच! भगवान विष्णु को आखिर क्यों पड़ी इस अवतार की जरूरत?

वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोहिनी एकादशी कहा जाता है, जोकि इस बार गुरुवार 8 मई 2025 को पड़ रही है. यह एकादशी पापों से मुक्ति और पुण्य दिलाने वाली होती है. इसी तिथि में श्रहरि ने मोहिनी रूप धारण किया था.धार्मिक ग्रंथ और पुराणों में उल्लेख मिलता है कि समय–समय पर भगवान विष्णु ने कई अवतार लिए. लेकिन श्रीहरि के सभी अवतारों में मोहिनी अवतार अद्वितीय और विशेष है. इस अवतार में भगवान ने एक सुंदर स्त्री का रूप धरा था. आइए जानते हैं आखिर क्यों श्रीहरि को लेना पड़ा था यह अवतार.जब श्रीहरि ने धरा मोहिनी अवतार भगवान के कई अवतारों में मोहिनी ऐसा अवतार है, जिसमें उन्होंने एक सुंदर स्त्री का रूप धरा था, जिसे देख दैत्य और दानव भी भ्रम में आ गए थे. मोहिनी अवतार का कारण था 'समुद्र मंथन' जोकि अमृत कलश के लिए देवताओं और दानवों के बीच हुआ था. जब दानवों ने अमृत कलश को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की तब अमृत कलश को सुरक्षित देवताओं तक पहुंचाने के लिए भगवान ने यह अवतार लिया और चतुराई से अमृत देवताओं के बीच बांट दिया. इसके बाद देवताओं को उनकी शक्ति और अमरत्व प्राप्त हुआ. भग. वान का यह अवतार देवताओं को अमृतपान कराने के साथ ही अन्य संदेश भी देता है और इसके महत्व को बताता है. जैसे–मो. हिनी अवतार लेकर भगवान विष्णु ने यह संदेश दिया कि जब–जब धर्म पर संकट आएगा वे किसी न किसी रूप में रक्षा के लिए जरूर प्रकट होंगे.भगवान विष्णु ने हर अवतार कल्याण, रक्षा और धर्म की स्थापना के लिए लिया. मोहिनी अवतार भी यह दर्शाता है कि स्थिति चाहे जैसी भी हो न्याय और संतुलन बनाना जरूरी है.मोहिनी अवतार भगवान विष्णु के बुद्धिमत्ता को भी दर्शाता है कि, अगर सही समय बुद्धि और चतुराई से यदि सही निर्णय लिया जाए बड़े से बड़े संकट को टाला जा सकता है और सफलता हासिल की जा सकती है. मोहिनी अवतार के दो रहस्यआमतौर पर यह कथा काफी प्रचलित है कि, समुद्र मंथन से जब अमृत कलश निकला तो देवताओं को दानवों के बीच इसे पाने के लिए विवाद हो गया. तब भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण किया. भगवान के इस दिव्य रूप को देख दानव मोहित हो गए और विष्णु जी ने अमृत कलश दानवों से लेकर देवताओं में बांट दिया.लेकिन भगवान विष्णु के मोहिनी अवतार से जुड़ी एक अन्य कथा यह भी है कि, श्रीहरि ने मोहिनी अवतार भस्मासुर से देवताओं की रक्षा के लिए भी धारण किया था. धार्मिक मान्यतानुसार, भस्मासुर को यह वरदान प्राप्त था कि वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा वह भस्म हो जाएगा. भगवान विष्णु ने मोहिनी अवतार लेकर भस्मासुर को नृत्य के लिए कहा. मोहिनी के सौदर्य से प्रभावित होकर वह नृत्य के लिए मान गया. नृत्य करते समय भगवान ने उसका हाथ उसी के सिर पर रख दिया, जिससे वह भस्म हो गया. इस तरह से भस्मासुर का अंत भी भगवान विष्णु के मोहिनी अवतार के माध्यम से हुआ.

4 से 10 मई 2025 तक का समय कैसा रहेगा और आपको समस्याओं से बचने के लिए क्या उपाय करने चाहिए.

तुला राशि चक्र की सातवीं राशि है. इसके स्वामी शुक्र ग्रह है. जानते हैं तुला राशि वाले जातकों के लिए यह नया सप्ताह यानी 4 से 10 मई 2025 तक का समय कैसा रहेगा और आपको समस्याओं से बचने के लिए क्या उपाय करने चाहिए. ज्योतिषाचार्य से जानें तुला राशि वालों का साप्ताहिक राशिफल विस्तार तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है. सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है.इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा. खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा. कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे. सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है. यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है. यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है. इस दौरान पहले से कार्यरत लोगों को विभिन्न स्रोतों से आमदनी होने की संभावना है. इस दौरान किसी योजना में फंसा हुआ पैसा अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा. रिश्ते–नाते की दृष्टि से यह सप्ताह थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है. इस सप्ताह आपकी बातों का लोग गलत मतलब निकालते हुए आपसे दूरी बना सकते हैं.पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर भाई–बहनों से अनबन होने की आशंका है. प्रेम संबंध में सावधानी के साथ कदम बढ़ाएं. सप्ताह के उत्तरार्ध में संतान से जुड़ी कोई बड़ी समस्या आपकी चिंता का कारण बनेगी.

बुद्ध पूर्णिमा कब है? जानिए बुद्ध जयंती तिथि, मुहूर्त और महत्व

पूर्णिमा तिथि हर महीने पड़ती है, जिसका हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है. इस दिन स्नान, दान, पूजा, व्रत का विधान है. लेकिन वैशाख माह में पड़ने वाली पूर्णिमा तिथि खास होती है.वैशाख महीने की पूर्णिमा के दिन को बुद्ध जयंती के रूप में मनाया जात है. बौद्ध धार्मिक ग्रंथ के अनुसार, इसी तिथि में भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था. ऐसे में हिंदू धर्म के साथ ही बौद्ध धर्म के लिए भी वैशाख पूर्णिमा का दिन महत्वपूर्ण होता है. आइये जानते हैं इस साल कब मनाई जाएगी बुद्ध जयंती. साथ ही जानें इस दिन पड़ने वाले शुभ योग, मुहूर्त और महत्व के बारे में.बुद्ध पूर्णिमा 2025 कब है बुद्ध पूर्णिमा या बुद्ध जयंती इस साल 12 मई 2025 को है. दरअसल पंचाग के मुताबिक वैशाख माह की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 11 मई शाम 06रू55 पर होगी और 12 मई शाम 07रू22 पर समाप्त हो जाएगी. ऐसे में उदयातिथि को देखते हुए 12 मई को ही बुद्ध जयंती या बुद्ध पूर्णिमा मनाई जाएगी.बुद्ध पूर्णिमा शुभ योग और मुहूर्त इस साल बुद्ध पूर्णिमा के दिन कई दुर्लभ योग बन रहे हैं, जिससे कि इस दिन का धार्मिक महत्व और अधिक बढ़ जाएगा. बुद्ध पूर्णिमा पर वरीयान और रवि योग रहेगा. वरीयान योग रातभर रहेगा, तो वहीं रवि योग सुबह 5रू32 से अगले दिन सुबह 6रू12 तक रहेगा. इसके साथ ही बुद्ध पूर्णिमा पर भद्रावास योग भी रहेगा, जो सुबह 09रू14 तक रहेगा. इस समय भद्रा का वास पाताल पर रहेगा.बुद्ध पूर्णिमा का महत्ववैशाख माह की पूर्णिमा तिथि हिंदू धर्म के लोगों और बौद्ध अनुयायियों के लिए खास होती है. बौद्ध धर्म में इसे बुद्ध के जन्म और ज्ञान प्राप्ति के रूप में देखा जाता है. इसलिए इस तिथि पर बौद्ध धर्म को मानने वाले लोग बोधि वृक्ष की पूजा करते हैं और बुद्ध के उपदेश सुनते हैं.वहीं हिंदू मान्यतानुसार वैशाख पूर्णिमा पर ही भगवान विष्णु के अपना 9वां बुद्ध अवतार लिया था. हिंदू धर्म के लोग इस तिथि पर गंगा नदी में स्नान करते हैं, भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं और रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देते हैं.

वृषभ राशि अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन होगी प्रगति

वृषभ राशि चक्र की दूसरी राशि है. इसके स्वामी शुक्र ग्रह है. जानते हैं वृषभ राशि वाले जातकों के लिए यह नया सप्ताह यानी 4 से 10 मई 2025 तक का समय कैसा रहेगा और आपको समस्याओं से बचने के लिए क्या उपाय करने चाहिए. ज्योतिषाचार्य से जानें वृषभ राशि वालों का साप्ताहिक राशिफल विस्तार से वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है. वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है. सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है.ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए. सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी. जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी. सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं. इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है.अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे.रिश्ते–नाते को बेहतर बनाए रखने के लिए वृष राशि के जातकों को इस सप्ताह अपनी वाणी पर कंट्रोल करने की आवश्यकता रहेगी..

7 मई 2025 को बुध मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे, जहां पहले से ही सूर्य विराजमान होंगे. यह युति मेष राशि में बुधादित्य योग का निर्माण करेगी, जो विशेष रूप से कुछ राशियों के लिए अत्यंत शुभ फलदायी सिद्ध होगी.बुध को वाणी, सोशल मीडिया, व्यापार और बुद्धि के कारक माना जाता है. बुध 7 मई 2025 को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे. बुध के राशि परिवर्तन होने से इनकम, निवेश और लेन–देन पर असर पड़ता है.जिससे कुछ लोगों की आ.र्थक स्थिति मजबूत होती है तो कुछ लोगों को नुकसान भी होता है. इस ग्रह के कारण शेयर मार्केट से जुड़े लोग ज्यादा प्रभावित होते हैं. साथ ही शरीर में नसें, तंत्रिका तंत्र, गले और स्किन से जुड़ी बीमारी भी बुध की वजह से होती है. इस ग्रह के कारण तर्क शक्ति पर असर पड़ता है. साथ ही पत्रकारिता, शिक्षा, लेखन और वकालात से जुड़े लोगों के कामकाज में भी बड़े बदलाव होते हैं.बुध पुरुष ग्रह होने के बा. वजूद नपुंसक ग्रह कहलाता है. अर्थात यह जिस ग्रह के साथ बैठ जाए उसकी तरह व्यवहार करने लगता है. वक्री बुध यदि किसी खराब ग्रह के साथ बैठ गया और उसके खराब फल में वृद्धि हो जाती है. उद्बुध्यस्वाग्ने प्रति जागृहि त्वमिष्टापूर्ते सं सृजेथामयं च.अस्मिन्त्सधस्थे अध्युत्तरस्मिन् विश्वेदेवा यजमानश्च सीदत..बुध का तांत्रिक मंत्रबुं बुधाय नमःबुध का बीज मंत्र ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः2025राजनीतिक उथल–पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी. धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी. दुर्घटना होने की संभावना. देश और दुनिया में राजनी. तिक बदलाव होंगे. सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा. आरोप–प्रत्यारोप का दौर चलेगा. लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी. शेयर मार्केट बढ़ने की संभावना है. कीमती धातुओं के दाम कम होंगे.

वृंदावन में स्थित श्री हित राधा केली कुंज परिकर श्रीधाम ने सोशल मीडिया पर सूचना देते हुए बताया कि, प्रेमानंद महाराज की तबीयत ठीक न होने के कारण रात में निकलने वाली पदयात्रा बंद की जाती है. अभी सभी से निवेदन है कि कोई भी भक्त रात में प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए रास्ते में खड़े न रहे. पदयात्रा बंद होने से भक्त हुए निराश श्री हित राधा केली कुंज परिकर श्रीधाम की तरफ से जारी हुई इस सूचना के बाद उनके भक्त निराशा हो चुके हैं. प्रेमानंद महाराज की रात्रि पदयात्रा में हजारों की संख्या में लोग उनके दर्शन करने के लिए सड़कों पर खड़े रहते हैं. ऐसे में इस सूचना के बाद भक्त काफी निराश हुए हैं. इसके साथ ही जल्द से जल्द प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य होने की कामना कर रहे हैं. प्रेमानंद महाराज की रात में निकलने वाली पदयात्रा में हजारों की संख्या में भक्त उनके दर्शन करने के लिए इकट्ठा होते हैं. इस दौरान कई लोग भगवान का वेश डालकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं. सड़कों पर डोल–नगाड़ों के साथ भक्त बाबा की पदयात्रा में शामिल होते हैं. भक्तों की सूची में विराट कोहली भी शुमार प्रेमानंद महाराज के भक्तों में आमजन के साथ बड़ी से बड़ी शख्सियत भी शामिल है. अभी कुछ दिनों पहले ही विराट कोहली अपनी पत्नी और बच्चों के साथ प्रेमानंद महाराज के आश्रम उनके दर्शन करने पहुंचे थे. ऐसे में अब उनकी रात्रि यात्रा बंद होने के बाद आश्रम की ओर से लोगों से विनती की गई है कि रात के समय सड़क पर न खड़े रहे.

कासगंज में पुलिस–ग्रामीण भिड़ंत

संवावदाता इंद्रपाल राजपूत

कासगंज जिले की कोतवाली पटियाली क्षेत्र के गांव दयोरईया में पुलिस और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। शुक्रवार रात मूलचंद्र के मकान में हुई चोरी की जांच के लिए शनिवार को पुलिस गांव पहुंची। इस दौरान किसान नेताओं और ग्रामीणों से पुलिस की नोकझोंक हुई।विवाद बढ़ने पर पुलिस और ग्रामीणों के बीच हा. थापाई की नौबत आ गई। इस दौरान पटियाली सर्किल के सीओ राजकुमार पांडे द्वारा एक ग्रामीण को जमीन पर गिराकर पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ग्रामीणों ने पुलिस पर मारपीट और घरों में तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। कई लोगों के घायल होने की भी बात सामने आई है।घटना के बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

विभिन्न राजनीतिक संगठन सीओ की इस कार्रवाई की आलोचना कर रहे हैं। सीओ राजकुमार पांडे पहले भी विवादों में घिरे रहे हैं। उनकी कार्यशैली के विरोध में ग्रामीण, सामाजिक संगठन और किसान नेता कई बार थाने से लेकर तहसील तक धरना–प्रदर्शन कर चुके हैं। हालांकि, अब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

कासगंज घर में चोरी के आक्रोश में पोस्ट डालने के बाद गांव में बवाल

कासगंज थाना पटियाली क्षेत्र के गांव दे. उरईया में नकबजनी की घटना को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के बाद भारी बवाल हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि जांच के लिए गांव पहुंची पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट से नाराज होकर महिलाओं और पुरुषों को पीटा तथा घरों में जमकर तोड़फोड़ की। वहीं, पुलिस का कहना है कि ग्रामीणों ने पथराव किया, जिससे पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।घटना में पुलिस की बर्बरता के कई वीडियो सा. `शल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, लेकिन ग्रामीणों द्वारा कथित पथराव का कोई वीडियो सामने नहीं आया है। पुलिस ने 21 नामजद ग्रामीणों सहित 15दृ20 अज्ञात लोगों के खिलाफ बलवा, पथराव और लाठी–डंडों से हमला करने जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव में इस समय तनाव और दहशत का माहौल है।यह था पूरा मामला गांव देउरईया निवासी मूल चंद्र पुत्र प्यारेलाल के घर में शुक्रवार रात चोरों ने नकब लगाकर प्रवेश किया और अलमारी में रखी चारदृपांच सोने की अंगूठियां, तीन जोड़ी पाजेब, अन्य आभूषण और लगभग डेढ़ लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। चोरी की सूचना मिलने पर पटियाली थाना पुलिस, इंस्पेक्टर राधेश्याम और सीओ आर.

के. पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे मौके पर चोरी की जांच कर रहे थे, तभी भारतीय किसान यूनियन स्वराज के प्रदेश महासचिव कुलदीप बघेल पहुंचे और पुलिस पर चोरों को संरक्षण देने का आरोप लगाकर ग्रामीणों को भड़काया, जिसके बाद पथराव हुआ।ग्रामीणों का आरोप ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट से बौखला गई और भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचकर लाठी. चार्ज किया, पुरुषों और महिलाओं को पीटा और घरों में तोड़फोड़ की। कूलर, चारपाई, चूल्हे आदि तोड़ दिए गए। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि पुलिस के बर्बर व्यवहार के वीडियो वायरल हो रहे हैं, जबकि पथराव का कोई प्रमाण पुलिस पेश नहीं कर सकी है। इसको लेकर गांव में रोष और भय दोनों व्याप्त हैं।पुलिस ने जिनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गांव दे. उरईया निवासी कुलदीप बघेल, महेश, दीपक, धर्मेंद्र, मुन्नालाल, नरेश, पन्नालाल, जितेंद्र, धर्मवीर, विजेंद्र, सुखवीर, पप्पू, दीपक, अमित, खांन, भूपेंद्र, अमन, अनीता, सुनीता, सरोज, विमलेश, कुसमा सहित 15दृ20 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों पर बलवा, पथराव, पुलिस टीम पर हमला, लाठी–डंडों से मारपीट जैसी गंभीर धाराएं लगाई गई हैं।

कासगंज जिले की सोरों कोतवाली क्षेत्र में सुबह 8 बजे के करीब शैतान सिंह के मकान में शटरिंग का काम चल रहा था। इस दौरान 18 वर्षीय नितिन 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। नितिन को बचाने की कोशिश में 22 वर्षीय उमेंद्र भी करंट की चपेट में आ गया।नितिन, अतेंद्र सिंह का पुत्र है और उमेंद्र, शैतान सिंह का पुत्र है। दोनों सिरावली गांव के रहने वाले हैं। घटना के बाद दोनों घायलों को तत्काल कासगंज के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां दोनों का इलाज चल रहा है।

एटा में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत, खेतों में लगा रखे थे बिजली के तार

एटा जिले के निधौली कलां थाना क्षेत्र के बलजीतपुर गांव में 17 वर्षीय किशोर कृष्णा की हाईटेंशन लाइन से करंट लगने से मौत हो गई। कृष्णा सुबह शौच के लिए खेतों में गया था। मृतक के चाचा मानपाल सिंह के अनुसार, पड़ोसी गांव आर्की के महेंद्र सिंह कुशवाहा ने ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन से खेतों में करंट दौड़ा रखा था। इसी करंट की चपेट में आने से कृष्णा की मौके पर ही मौत हो गई।जब काफी समय तक कृष्णा घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के बाद उसका शव गांव के पास के खेत में मिला। परिजन उसे घर ले आए और पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी निधौली कला राजकुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की गई। पोस्टमार्टम के लिए शव को जिला मुख्यालय भेज दिया गया है।

एटा पुलिस ने सपा के पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव के भाई रविन्द्र यादव को गिरफ्तार कर लिया

एटा पुलिस ने सपा के पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव के भाई रविन्द्र यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उन्हें अमृतपुर स्थित आवास से न्यायालय के गैर जमानती वारंट के आधार पर पकड़ा।यह मामला मई 2022 का है। जैथरा कस्बे निवासी रामेश्वर दयाल सकटू ने रामेश्वर सिंह यादव, उनके भाई पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह यादव और आठ अन्य लोगों पर आरोप लगाए थे। शिकायत में कहा गया था कि आरोपियों ने उन्हें बंधक बनाकर जबरन जमीन हड़पने की कोशिश की और मारपीट की।मामले की जांच के बाद हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता रामेश्वर दयाल को दो सरकारी गनर दिए थे। एक साल पहले रामेश्वर दयाल की उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी।इस मामले में सपा नेता रामेश्वर सिंह यादव और जोगेंद्र सिंह यादव पिछले तीन साल से जेल में हैं। जोगेंद्र एटा जेल में और रामेश्वर अलीगढ़ जेल में निरुद्ध हैं। पुलिस ने बताया कि न्यायालय के वारंट पर रविंदर को गिरफ्तार किया गया है।

एटा में निकाह के लिए बदला मजहब, ज्वैलर्स की चेक बाउंस से खुली पोल

एटा में कुशीनगर जिले के रहने वाले ना. `मान अंसारी ने अपना नाम, पहचान और मजहब छिपाकर एक हिंदू युवती से न सिर्फ प्रेम संबंध बनाए, बल्कि 25 अप्रैल को परिजनों की मौजूदगी में सगाई भी कर ली। खुद को करोड़ों की कंपनी का मालिक बताकर उसने युवती को अपने जाल में फंसा लिया।आरोपी ने युवती और उसके परिवार को बताया कि वह अंश रा. जपूत है, मूल निवासी त्रिपाठी नगर, थाना कासिया, जिला कुशीनगर है। खुद को एक बड़ी कंपनी का मालिक बताते हुए उसने दावा किया कि उसके खाते में 40 करोड़ रुपए हैं और चार कंपनियां उसकी हैं।जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में एक कंपनी में काम करने वाली युवती की मुलाकात नोमान उर्फ अंश से हुई थी। धीरे–धीरे नजदीकियां बढ़ीं और प्यार परवान चढ़ा। आरोपी युवक ने हिंदू पहचान बनाकर युवती को शादी के लिए तैयार कर लिया और गांव बुला लिया। करीब चार महीने तक वह युवती के घर में बतौर दामाद रह रहा था।ज्वैलर्स से लिए 1.95 लाख के जेवरात, चेक बाउंस से खुली पोलसगाई के दौरान आरोपी ने मिरहची के एक ज्वैलर्स से 1.95 लाख रुपए के गहने उधार लिए। भुगतान के लिए दिया गया चेक बाउंस हो गया। जब ज्वैलर पैसे की मांग करते हुए युवती के घर पहुंचा तो परिजनों के होश उड़ गए। युवती का भाई यूपी पुलिस में सिपाही है, जो मथुरा में तैनात है। उसे पहले से आरोपी पर शक था। उसने आरोपी से आधार कार्ड और संपत्ति से संबंधित दस्तावेज मांगे, लेकिन वह टालमटोल करता रहा। यही नहीं, जो आधार कार्ड दिखाया गया, वह भी एडिट किया हुआ निकला। शिकायत मिलने पर मिरहची पुलिस ने जांच शुरू की। पूछताछ में युवक की असली पहचान नोमान अंसारी पुत्र कासिम अंसारी, निवासी मोहल्ला दीनदयाल उपाध्याय नगर, थाना कासिया, जिला कुशीनगर के रूप में सामने आई।. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। युवती के भाई अरुण की तहरीर पर मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। फिलहाल आरोपी सलाखों के पीछे है, लेकिन जिला स्तर के अधिकारी इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। मि. रहची थाना प्रभारी ओपी सिंह ने बताया कि आरोपी युवक ने फर्जी नाम और मजहब बताकर युवती के परिवार को धोखे में रखा। करीब चार महीने से वह लड़की के घर पर ही रह रहा था। शक होने पर जब परिजनों ने जांच कराई, तो पूरी सा. जिश सामने आई। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

कासगंज में कार्यकर्ताओं ने बजाए ढोल–नगाड़े, . बांटी मिठाई PM मोदी का जताया आभार

कासगंज में भाजपा के ओबीसी मोर्चा ने जाति जनगणना के फैसले पर खुशी का माहौल बनाया। मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय पर ढोल–नगाड़े बजाकर जश्न मनाया और एक–दूसरे को मिठाई खिलाई।ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष खू. बसिंह लोधी ने प्रेस वार्ता में कहा कि आ. जादी के बाद पहली बार केंद्र सरकार ने जातिगत जनगणना को मंजूरी दी है।उन्हा. `ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह साहसिक निर्णय लेकर भारतीय राजनीति में नया इतिहास रचा है। लोधी ने बताया कि जातीय जनगणना से अन्य पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग को अपनी वास्तविक

संख्या का पता चलेगा। इससे उन्हें संख्या के अनुपात में संवैधानिक अधिकार मिल सकेंगे।उन्होंने कहा कि इस फैसले के लिए पूरे देश का ओबीसी समाज प्रधानमंत्री का आभारी रहेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने भी प्रधानमंत्री के इस निर्णय की सराहना की। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना का फैसला ऐतिहासिक है।

दूसरी मंजिल पर फंदे से लटकता मिला युवक का शव पिता की मौत से था परेशान, घर में रहता था अकेले

कासगंज के कोतवाली कासगंज क्षेत्र के बिलराम गेट पुरानी ईदगाह चकईया वाली गली में रहने वाले 24 वर्षीय सत्यम ने अपने घर की दूसरी मंजिल पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसियों ने बंद मकान से दुर्गंध आने पर पुलिस और मृतक के परिवार को सूचना दी। युवक का शव रविवार को उसके घर से बरामद किया गया हे।सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इंस्पेक्टर मनोज शर्मा ने बताया कि युवक ने पंखे से अंगोछा बांधकर फांसी लगाई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।मृतक के भाई शिवम ने बताया कि करीब 4 महीने पहले पिता की मृत्यु के बाद से सत्यम अकेला रह रहा था। घटना लगभग तीन दिन पुरानी बताई जा रही है। मौत की खबर से परिवार में शोक की लहर है।

कासगंजरू मकान से आई बदबू तो पता चला अंदर सड़ रहा था युवक का शव

कासगंज। रविवार की दोपहर बिलराम गेट पुरानी ईदगाह चकईया गली में एक बंद मकान में युवक मौत हो गई। उसकी मौत की जानकारी दुर्गंध आने पर लोगों को हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य व नमूने एकत्रित किए हैं। उसके गले में गमछा से फंदा लगा था, जिससे उसके आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। जब सूचना परिजनों को हुई तो उनमें कोहराम मच गया।पुरानी ईदगाह चकईया वाली गली रविवार को बंद मकान से दुर्गंध आ रही थी। जिसकी जानकारी लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मकान को खुलाया। मकान में 24 वर्षीय सत्यम पुत्र पृथ्वी सिंह अकेला रह रहा था। उसकी मां प्रकाश देवी और भाई शिवम अलीगढ़ जनपद के थाना क्षेत्र खैर के गांव शैजपुर में रहते हैं। रविवार को उसके मकान से जब लोगों को दुर्गंध आई तो लोगों ने पुलिस को फोन पर इसकी जानकारी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मकान को खुलवाया तो उसका शव मकान की दूसरी मंजिल पर पंखे से लटका मिला। गले में गमछा से फंदा लगा था। सूचना उसकी मां और भाई भी दी गई। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया। साथ में पहुंची फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य और नमूने एकत्रित किए। सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। उसका शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के भाई शिवम ने बताया कि लगभग चार माह पूर्व पिता की मौत के बाद वह अकेला ही यहां रहता था। इंस्पेक्टर क्राइम प्रभारी मनोज शर्मा ने बताया कि शव दो से तीन दिन पुराना लग रहा है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।